सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 24 NOVEMBER TO 30 NOVEMBER 2023 • VOLUME 18 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

अपनी सफलता का रॉब
मां-बाप को मत दिखाना
क्योंकि उन्होंने अपनी
ज़िन्दगी को हार कर तुम्हें
जिताया है ..!!

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY
✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD
Low Filing Charges &
*Pay Money after the visa
•IELTS •STUDY ABROAD
CANADA AUSTRALIA USA U.K SINGAPORE EUROPE
E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.
*T&C apply

मथुरा और ब्रज भी अब विकास की दौड़ में पीछे नहीं रहेंगे : पीएम मोदी

कहा- हमेशा से नारीशक्ति का पूजन करने वाला देश रहा है हमारा भारत

मथुरा. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रहस्यवादी कवि और भगवान कृष्ण भक्त की 525वीं जयंती मनाने के लिए आयोजित 'मीराबाई जन्मोत्सव' में भाग लेने के लिए उत्तर प्रदेश के मथुरा पहुंचे। उन्होंने कृष्ण जन्मभूमि पर पूजा-अर्चना भी की और ऐसा करने वाले पहले प्रधानमंत्री बने। मोदी 32 साल के अंतराल के बाद भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पहुंचे। उन्होंने कहा कि मीराबाई का 525वां जन्मोत्सव केवल एक संत का जन्मोत्सव नहीं है, ये भारत की एक सम्पूर्ण संस्कृति का उत्सव है, ये प्रेम-परंपरा का उत्सव है, ये उत्सव नर और नारायण में, जीव और शिव में, भक्त और भगवान में, अभेद मानने वाले विचार का भी उत्सव है।

मोदी ने कहा कि हमारा भारत हमेशा से नारीशक्ति का पूजन करने वाला देश रहा है। ये बात ब्रजवासियों से बेहतर और कौन समझ सकता है। यहां कन्हैया के नगर में भी 'लाडली सरकार' की ही पहले चलती है। यहां सब कुछ राधे-राधे कहकर ही होता है। कृष्ण के पहले भी जब राधा लगता है तब उनका नाम पूरा होता है। इसलिए हमारे देश में महिलाओं ने हमेशा जिम्मेदारियां भी उठाई हैं, और समाज का लगातार मार्गदर्शन भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भगवान कृष्ण से लेकर मीरा बाई तक का गुजरात से एक अलग रिश्ता रहा है। यह मथुरा के

कान्हा गुजरात जाकर ही द्वारकाधीश बने थे। मीरा की भक्ति बिना वृंदावन के पूरी नहीं होती। उन्होंने कहा कि मीरा बाई के परिवार और राजस्थान के लोगों ने अपना सब कुछ बलिदान कर दिया। हमारे धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए राजस्थान के लोग दीवार बनकर बीच में खड़े हो गए ताकि भारत की आत्मा की रक्षा हो सके। यह घटना हमें उस त्याग और वीरता की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि ब्रज क्षेत्र ने मुश्किल से मुश्किल समय में भी देश को संभाले रखा। लेकिन जब देश आज़ाद हुआ तो जो महत्व इस पवित्र तीर्थ को मिलना चाहिए था, वो हुआ नहीं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज आज़ादी के अमृतकाल में पहली बार देश गुलामी की उस मानसिकता से बाहर आया है। हमने लाल किले से संकल्प लिया है। हम अपनी विरासत पर गर्व की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज काशी में विश्वनाथ धाम भव्य रूप में हमारे सामने है। आज उज्जैन के महाकाल महालोक में दिव्यता के साथ-साथ भव्यता के दर्शन हो रहे हैं। आज केदार घाटी में केदारनाथ जी के दर्शन करके लाखों लोग धन्य हो रहे हैं। अब तो, अयोध्या में भगवान श्रीराम के मंदिर के लोकार्पण की तिथि भी आ गई है। मथुरा और ब्रज भी, विकास की इस दौड़ में अब पीछे नहीं रहेंगे। वो दिन दूर नहीं जब ब्रज क्षेत्र में भी भगवान के दर्शन और भी भव्यता के साथ होंगे।

मोदी ने कहा कि ब्रज क्षेत्र में, देश में हो रहे ये बदलाव, ये विकास केवल व्यवस्था का बदलाव नहीं है। ये हमारे राष्ट्र के बदलते स्वरूप का, उसकी पुनर्जागृत होती चेतना का प्रतीक है। अपने भाषण की शुरूआत में उन्होंने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि मुझे आज ब्रज के दर्शन का अवसर मिला है, ब्रजवासियों के दर्शन का अवसर मिला है। क्योंकि यहां वही आता है जिसे श्रीकृष्ण और श्रीजी बुलाते हैं।

निहंगों और पुलिस के बीच फायरिंग में होमगार्ड जवान की मौत

कपूरथला. सुल्तानपुर लोधी स्थित गुरुद्वारा श्री अकाल बुंगा साहिब में पुलिस और निहंगों के बीच फायरिंग में होम गार्ड के

एक जवान की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। घटना के बाद इलाके का माहौल तनावपूर्ण हो गया। वहीं हंगामे के बाद भारी पुलिस बल के साथ-साथ आला अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। दरअसल, गुरुद्वारे पर कब्जे को लेकर 2 गुटों में लंबे समय से विवाद चल रहा है जिसको लेकर बुधवार रात को 10 निहंगों को गिरफ्तार किया गया था जिससे कई निहंग भड़क उठे और पुलिस पर गोलियां चला दीं। सुल्तानपुर लोधी के एसएचओ लखविंदर सिंह के अनुसार फायरिंग के दौरान होम गार्ड के जवान जसपाल सिंह की मौत हो गई, वहीं एक अन्य कर्मचारी कृपाण लगने से घायल हो गया। सभी घायलों को सुल्तानपुर लोधी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सरकारी सम्मान के साथ किया अंतिम संस्कार

स्थानीय गुरुद्वारा अकाल बुंगा साहिब में सुबह की घटना के दौरान शहीद हुए होम गार्ड के जवान जसपाल सिंह (50) का आज उनके गांव मनियाला में सरकारी सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। पंजाब के स्पेशल डी.जी.पी अर्पित शुक्ला, डी.आइ.जी एस भूपति, डी.आई.जी. राजपाल सिंह संधू, डी.आइ.जी चरणजीत सिंह, आम आदमी पार्टी नेता सज्जन सिंह चीमा और अन्य आधिकारियों ने शहीद को श्रद्धांजलि दी। स्पेशल डी.जी.पी ओर अन्य अधिकारियों ने परिवार के सदस्यों के साथ दुख साझा किया और कहा कि दुख की इस घड़ी में पंजाब सरकार और पंजाब पुलिस परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।अर्पित शुक्ला ने परिवार के साथ सहानुभूति जताते हुए कहा कि पंजाब पुलिस परिवार की हर संभव सहायता के लिए हमेशा तैयार रहेगी। अंतिम संस्कार के बाद स्पेशल डी.जी.पी पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार ने परिवार की आर्थिक सहायता के लिए

2 करोड़ रुपये देने की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि शहीद जसपाल सिंह के एक बेटे को पंजाब पुलिस में नौकरी दी जाएगी और दूसरे को भी रोजगार दिया जाएगा। एक सवाल के जवाब में स्पेशल डी.जी.पी ने कहा कि मामले में पंजाब पुलिस ने एफआईआर दर्ज करके 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है और 3 हथियार बरामद किए गए हैं।

एक करोड़ एक्स-ग्रेशिया व एक करोड़ बीमा राशि के तौर पर देने का ऐलान

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज होमगार्ड के जवान जसपाल सिंह की मौत पर गहरे दुख व्यक्त किया है जिनकी ड्यूटी निभाते समय जान चली गई। मुख्यमंत्री ने जसपाल सिंह के परिवार को वित्तीय सहायता के तौर पर दो करोड़ रुपए देने का ऐलान किया है। एक शौक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि जसपाल सिंह की सुल्तानपुर लोधी में अपनी ड्यूटी निभाते समय मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दो करोड़ की राशि में से राज्य सरकार की तरफ से एक करोड़ रपए एक्स- ग्रेशिया के तौर पर जबकि एक करोड़ रुपए एच. डी. एफ. सी. द्वारा बीमा राशि के तौर पर दिए जाएंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह प्रयास राज्य में अमन-कानून की व्यवस्था को कायम रखने के लिए इस सपूत के महान योगदान के सम्मान में है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हथियारबंद सेनाओं, अर्धसैनिक बलों और पुलिस की भलाई के लिए वचनबद्ध है जिसके अंतर्गत जसपाल सिंह के परिवार को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। भगवंत सिंह मान ने उम्मीद ज़ाहिर की कि इस विनम्र प्रयास से जहाँ पीड़ित परिवार को मदद मिलेगी, वहीं उनके भविष्य को सुरक्षित बनाया जा सकेगा।

चुनाव आयोग ने राहुल गांधी को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधने वाली उनकी हालिया टिप्पणी के लिए गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। नोटिस विशेष

रूप से राहुल गांधी द्वारा अपने भाषणों के दौरान 'पनौती' (अपशकुन), 'जेबकतरे' जैसे शब्दों के इस्तेमाल और ऋण माफी से संबंधित टिप्पणियों के लिए भेजा गया है। चुनाव आयोग ने गांधी को शनिवार शाम तक जवाब देने का निर्देश दिया है। यह घटनाक्रम सत्तारूढ़ भाजपा द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई एक शिकायत के जवाब में आया है, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की गई थी। भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए अशोभनीय थी।

जालंधर में नेशनल हाईवे के बाद अब किसानों ने रेलवे ट्रैक पर जमाया डेरा, 26 को चंडीगढ़ कूच

जालंधर. पंजाब में किसान गन्ने का रेट बढ़ावाने को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। पहले किसानों ने जालंधर में नेशनल हाईवे को जाम किया था पर अब उन्होंने रेलवे ट्रैक पर जाकर धरना लगा दिया जिसके बाद से ट्रेनें प्रभावित होने लगी हैं। रेलवे के अनुसार इस ट्रैक से रोजाना करीब 120 ट्रेनों की आवाजाही होती है। गुरुवार को 40 ट्रेनें तो निकल चुकी थीं लेकिन 80 ट्रेनें प्रभावित हुईं।

रेलवे ट्रैक पर धरना देने की संभावना को देखते हुए पहले ही भारी पुलिस बल तैनात किया गया था लेकिन किसान भी भारी संख्या में पहुंचते तो पुलिस बल उन्हें रोक नहीं पाया और उन्होंने रेलवे ट्रैक पर जाकर धरना दे दिया। काबिलेगौर है कि जालंधर के धन्नो वाली फाटक के पास किसान पिछले तीन दिनों से धरना प्रदर्शन कर रहे है जिसकी वजह से दिल्ली-जम्मू हाईवे पूरी तरह से बंद हो गया है।

किसानों ने कपूरथला के फगवाड़ा में

शताब्दी एक्सप्रेस को रोका, वहीं जालंधर कैंट रेलवे स्टेशन के पास प्रदर्शन होने के चलते आम्रपाली एक्सप्रेस को जालंधर सिटी स्टेशन पर रोका गया।

किसानों का कहना है कि जब तक सरकार गन्ने का रेट बढ़ाने की मांग नहीं मान लेती तब तक उनका धरना जारी रहेगा। उनका कहना है कि अब 26 नवंबर को चंडीगढ़ कूच करेंगे।

राजस्थान में 200 सीटों के लिए 25 को डाले जाएंगे वोट

जयपुर. चुनाव के लिए प्रचार अभियान गुरुवार शाम 6 बजे समाप्त हो गया। 25 नवंबर को होने वाले चुनाव में 1875 उम्मीदवार मैदान में हैं। सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा दोनों नेताओं का उच्च-स्तरीय अभियान चुनाव आयोग द्वारा जारी आदेश के साथ समाप्त हो गया। इन 1875 में से 183 महिलाएं व 1692 पुरुष हैं। विधानसभा की सीटों में से 34 अनुसूचित जाति के लिए और 25 अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। नामांकन वापस लेने के लिए निर्धारित समय के दौरान, भाजपा के बागियों में एक प्रमुख चेहरे, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह ने जयपुर के झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से अपना नामांकन वापस ले लिया, जहां जयपुर ग्रामीण सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं। दोनों प्रमुख दलों के कुछ और बागियों ने अपना नामांकन वापस ले लिया। झोटवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के लिए राज्य में सबसे ज्यादा 18 उम्मीदवार मैदान में हैं, जबकि दौसा की लालसोट सीट पर केवल तीन उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

बच्चों की अश्लील सामग्री फेसबुक पर प्रसारित करने के दोष में तीन साल कैद व जुर्माना

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

ज़िला और सैशन अदालत एसएएस. नगर ने लुधियाना के एक व्यक्ति को फेसबुक मेसेंजर के द्वारा बाल अश्लील सामग्री प्रसारित करने के दोष में तीन साल की सख़्त कैद की सज़ा सुनाई है और साथ ही 10000 रुपए का जुर्माना भी लगाया है। मुलजिम की पहचान लुधियाना के गाँव साहनेवाल के रहने वाले अनुज कुमार के तौर पर हुई है।

नेशनल सैंटर फार मिसिंग एंड ऐकसपलोइटिड चिल्ड्रेन (ऐनसीऐमईसी) से नेशनल साईबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल (ऐनसीआरपी) पर प्राप्त बाल अश्लील सामग्री के प्रसारण सम्बन्धी मिली साईबर सूचना के बाद, पंजाब राज्य साईबर क्राइम सैल की इकाई महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध साईबर अपराध रोकथाम (सी. सी. पी. डब्ल्यू. सी.) ने मामले की जांच शुरू की, जिससे पता लगा है कि शक्की व्यक्ति ने 27- 11-2020 को फेसबुक मेसेंजर के द्वारा बाल अश्लील वीडियो क्लिप प्रसारित की थी। इसके बाद, बाल अश्लील सामग्री को अपलोड/ प्रसारित करने के लिए पुलिस स्टेशन स्टेट साईबर क्राइम, पंजाब में आई. टी. एक्ट की धारा 67-बी के अंतर्गत केस एफआईआर नंबर 18 तारीख़ 18. 09. 2021 दर्ज किया गया था।

जांच के दौरान, अलग-अलग इन्टरनेट सेवा प्रदाताओं और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों से आई. पी. ऐडरैस समेत तकनीकी विवरण माँगे गए थे, जिससे दोषी की पहचान की जा सके। दोषी को 13 जनवरी, 2022 को गिरफ़्तार किया गया था और उसके कब्ज़े में से अपराध करने के लिए इस्तेमाल किया गया मोबाइल फ़ोन भी बरामद किया गया था।

पंजाब विश्वविद्यालय में 'एनईपी-2020' के कार्यान्वयन पर दो दिवसीय सम्मेलन का सफल समापन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

पंजाब विश्वविद्यालय में 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' का कार्यान्वयन" के महत्वपूर्ण विषय पर उत्तरी क्षेत्र के कुलपतियों का दो दिवसीय सम्मेलन दूसरे दिन दस विषयगत सत्रों के संचालन के साथ शुरू हुआ, जिसमें कार्यान्वयन के मुद्दों और एनईपी 2020 के लिए चुनौतियों से संबंधित विषयों पर समग्र रूप से विचार-विमर्श किया गया। ये सत्र 'बहुविषयक और समग्र शिक्षा', 'डिजिटल और ऑनलाइन शिक्षा', 'कौशल विकास और रोज़गार', 'भारतीय ज्ञान-परम्परा तथा भारतीय भाषाएँ', 'शिक्षा का अंतर-राष्ट्रीयकरण', 'न्यायसंगत तथा समावेशी शिक्षा' आदि विषयों पर केन्द्रित थे। इन विभिन्न सत्रों में अनेक संस्तुतियां दी गयीं जैसे ऑनलाइन शिक्षा को ऑफ लाइन शिक्षा की तरह मज़बूत बनाया जाए तथा इसकी गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए, केस स्टडी और व्यावहारिक कार्य के माध्यम से अनुभवात्मक सीखने और प्रशिक्षण पर बल दिया जाए, अनुसंधान को अधिक प्रभावी बनाने के लिए समाज, उद्योग और नैतिकता से संबंधित मुद्दों को संबोधित किया जाए, अनुसंधान कार्य के साथ-साथ स्टार्ट-अप और क्षमता निर्माण पर पाठ्यक्रम इनक्यूबेशन केंद्रों का फोकस करें, विश्वविद्यालयों में इनक्यूबेशन केन्द्रों को सुदृढ़ किए जाए आदि।

विचार-विमर्श के बाद पंजाब विश्वविद्यालय के लॉ ऑडिटोरियम में पॉवर-पॉइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी विषयगत सत्रों में आयोजित चर्चाओं और संस्तुतियों पर सामूहिक विचार-मंथन किया गया। इस चर्चा के भोजनावकाश-पूर्व सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रोफेसर एम जगदीश कुमार ने की तथा भोजन के बाद के सत्र की

अध्यक्षता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर टंकेश्वर कुमार ने की। पंजाब विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो रेणु विग भी सभी सत्रों में उपस्थित रहीं। प्रत्येक प्रस्तुति के बाद प्रश्न और उत्तर सत्र आयोजित किया गया। यह पॉवर-पॉइंट प्रस्तुति सत्र सुबह 11:00 बजे शुरू हुआ, जिसमें प्रत्येक सत्र के अध्यक्ष द्वारा कार्यान्वयन रणनीतियों पर प्रस्तुति दी गई।

ज्ञान चंद गुप्ता के साथ लेक क्लब चंडीगढ़ में ऑडिट दिवस में शामिल हुए बनवारीलाल पुरोहित

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

महानिदेशक लेखापरीक्षा (रक्षा सेवाएँ) चंडीगढ़ ने चंडीगढ़ में तैनात यूटी और भारत सरकार के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ एक बातचीत का आयोजन किया। पंजाब के राज्यपाल और केंद्र शासित प्रदेश, चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित, और अध्यक्ष, हरियाणा विधानसभा ज्ञान चंद गुप्ता, क्रमशः मुख्य अतिथि और सम्मानित अतिथि के रूप में इस अवसर पर उपस्थित थे। एनजेडसीसी के गजल गायकों और पुलिस बैंड ने शाम में चार चांद लगा दिए। राज्यपाल और यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक बनवारीलाल पुरोहित ने ट्राइसिटी में यातायात प्रबंधन

विषय पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किये। 16 नवंबर, 2023 को; भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने तीसरे ऑडिट दिवस का उद्घाटन किया जो भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक संस्थान की ऐतिहासिक स्थापना और सुशासन, पारदर्शिता और जवाबदेही में इसके योगदान को चिह्नित करने के लिए मनाया जाता है।

हिमाचल घूमने के शौकीन दिसंबर में कर सकते हैं ट्रिप प्लान

TRAVELLING

हिमाचल में घूमने के लिए जीभी एक बेहतरीन जगह है। यहां पर आप बेहद खूबसूरत जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। जहां पर आप दिसंबर के महीने में जा सकते हैं। जीभी हिमाचल की एक ऐसी डेस्टिनेशन है, जो इंडस्ट्रियल जगहों से दूर है और प्राकृतिक चीजों से घिरी हुई है।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

हिमाचल प्रदेश का जीभी एक बेहद खूबसूरत डेस्टिनेशन है, जहां पर आप दिसंबर के महीने में जा सकते हैं। जीभी हिमाचल की एक ऐसी डेस्टिनेशन है, जो इंडस्ट्रियल जगहों से दूर है और प्राकृतिक चीजों से घिरी हुई है। यहां घने देवदार के जंगल, शांत मीठे पानी की झीले और प्राचीन मंदिर इस जगह को काफी आकर्षक बनाते हैं। इस आर्टिकल में जानिए जीभी में घूमने की कुछ बेहतरीन जगहों के बारे में।

जलोरी पास

जलोरी पास जीभी से 12 किमी दूर है। इसके टॉप पर महाकाली को समर्पित एक मंदिर है, जहां आप तीर्थन नदी, घाटी और देवदार के जंगल के कुछ मजेदार नजारों को देख सकते हैं। यहां जाने के लिए आप सरकारी बस या प्राइवेट टैक्सी ले सकते हैं।

सेरोलसर झील

जालोरी पास से सिर्फ 5 किमी की दूरी पर सेरोलसर झील है। ये जगह जीभी में घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। अगर आप जालोरी पास जा रहे हैं, तो इसकी प्राकृतिक खूबसूरती को बिल्कुल भी न मिस करें।

रघुपुर किला

रघुपुर किला जलोरी पास से 3 किमी दूर है। किले से आप हिमालय पर्वत श्रृंखलाओं के शानदार नजारों को देख सकते हैं। यहां के घास के मैदान देखने लायक हैं। जब भी ऊपर जाएं तो जालोरी पास से खाना और पानी खरीदकर आगे की ओर बढ़ें। क्योंकि यहां जान के लिए आपको 3 किमी का ट्रैक पूरा करना होगा, जिसमें कम से कम 1 घंटे का समय लगेगा।

जीभी वॉटरफॉल

जीभी वाटरफॉल, घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। झरने की ओर जाने वाला रास्ता काफी अच्छे से बना हुआ है, ऐसे में आप अपना कार से भी यहां जा सकते हैं। झरने के ठीक नीचे एक पुल भी है, जहां आप नहा सकते हैं।

LIFE MANTRA

मनोविज्ञान कहता है इन बातों को अपनाएं, जिंदगी सुकून से कटेगी

मन का सुकून और चैन हर वक्त गायब रहता है और आप बेचैन रहते हैं कि किसने आपके बारे में क्या बोला या लोग क्या आपके बारे में सोचते हैं तो जान ले साइकोलॉजी की ये बातें। जो दिल को सुकून देंगी।

तस्वीर साभार Google

आजकल हर किसी की जिंदगी काफी भागदौड़ भरी हो गई है। हर इंसान अपने रोजीरोटी के जुगाड़ में लगा है। किसी के पास एक दूसरे के लिए समय नही है। बहुत सारे लोग एकाकी जीवन की वजह से तनाव और डिप्रेशन के शिकार हो रहे हैं। लोगों की लाइफ में बहुत सारी समस्याएं जिनसे निपटने के लिए लोग जूझ रहे हैं। अगर जिंदगी में सुकून चाहिए तो पहाड़ों पर सैर करने की बजाय मनोविज्ञान में बताई इन बातों को फॉलो करें।

- √ लाइफ से जुड़ी सारी चीजों को सोशल मीडिया पर शेयर करना जरूरी नहीं। कुछ बातें खुद तक और अपने खास तक ही रखना अच्छा होता है।
- √ साइकोलॉजी कहती है कि अगर आप समस्या की तरफ देखेंगे तो केवल समस्या ही दिखेगी। लेकिन जब आप समाधान पर अपना फोकस करेंगे तो आपको कई सारे रास्ते और समाधान मिलेंगे।
- √ अगर आप किसी के साथ बैठकर किसी के बारे में बुरी बाते और चुगली कर रहे हैं। यकीनन वो इंसान दूसरे के साथ बैठकर आपकी चुगली और बुराई भी करेगा।
- √ जिंदगी में सुकून और चैन की तलाश है तो हर किसी की बातों को अपने ऊपर लागू ना करें। सारी चीजें आपके लिए नही हैं और ना ही दुनिया का हर इंसान आपके बारे में सोचता है। आप खुद केवल आपके बारे में सोचते हैं। इसलिए दूसरों की बातों को सोचकर खुद को चिंता और तनाव में ना डालें।
- √ अगर आप किसी के साथ बातचीत नहीं करते हैं तो गहरे से गहरा संबंध भी खत्म हो जाता है। इसलिए रिश्तों को बनाए रखने के लिए कम्यूनिकेशन जरूरी है।
- √ साइकोलॉजी में कहा गया है कि जितना आप परवाह कम करेंगे उतना ज्यादा खुश रहेंगे। लोग आपके बारे में क्या बात करते हैं, कैसी बात करते हैं। अगर आप इन बातों के बारे में सोचेंगे तो मन का सुकून छिन जाएगा। इसलिए लोगों की परवाह किए बगैर अपनी लाइफ और काम पर फोकस करें। ये लाइफ को चैन से जीने का मंत्र है।

तस्वीर साभार Google

मूंग नहीं इस बार ट्राई करें चने की दाल का हलवा, सबको भाएगा टेस्ट

सर्दियां शुरु होते ही हलवाई की दुकान पर मूंग दाल का हलवा मिलने लगता है। कुछ लोग इसे घर पर भी तैयार करते हैं। क्या कभी चने की दाल का हलवा चखा है?

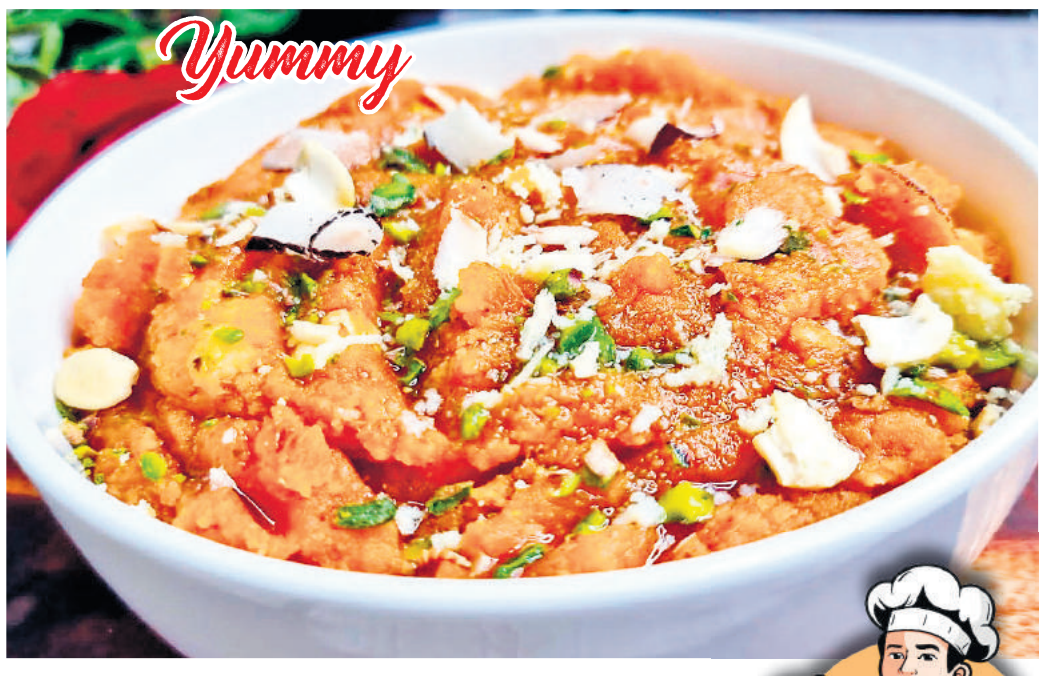

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

खाने के बाद लोगों को मीठा खाने का मन करता है। ऐसे में घर पर हलवा फटाफट तैयार किया जा सकता है। हलवा कई चीजों से तैयार किया जाता है। कुछ लोग सूजी-बेसन का हलवा बनाते हैं तो वहीं कुछ लोग आलू-लौकी से हलवा तैयार करते हैं। सर्दियों के मौसम में मूंग दाल का हलवा कई जगहों पर मिलने लगता है। लेकिन क्या आपने कभी चने की दाल का हलवा खाया है? नहीं, तो यहां जानिए इस हलवे को बनाने का तरीका।

चने दाल का हलवा बनाने के लिए आपको चाहिए-

- 400 ग्राम चना दाल
- 4 कप दूध
- 2 कप चीनी
- 120 ग्राम घी
- करीब 20 से 30 काजू
- करीब 20 से 30 बादाम
- एक मुट्ठी पिस्ता
- 12 से 15 इलायची

कैसे बनाएं हलवा

चने दाल का हलवा बनाने के लिए दाल को रात भर के लिए भिगो दें। फिर अगली सुबह छन्नी से इसे छान लें और इसके पानी को अलग होने दें। दाल को कुछ देर के लिए छन्नी में ही रहने दें। दाल का पानी जब पूरी तरह से निकल जाए तो इस एक कपड़े में रखें और कुछ देर के लिए पानी को सूखने दें। जब तक दाल सूख रही है तब तक पैन में घी गर्म करें। अब इसमें दाल डालें और इसका रंग बदलने तक अच्छे से सेक लें। फिर दाल को प्लेट में निकालें। जब दाल ठंडी हो जाए तो इसे मिक्सी में डालकर अच्छे से पीस लें। अब दूध में शक्कर डाल कर इसे उबाल लें। अच्छी तरह से उबाल आ जाने के बाद पिसी हुई दाल इसमें डालें। अब इसे अच्छे से पकाएं और बीच-बीच में चलाते रहें। जब तक मेवा को इलायची के साथ पीस लें। अब जब हलवा गाढ़ा हो जाए तो इसमें मेवा पाउडर मिला दें। हलवा तैयार है। आप इसे कुछ मेवा के साथ गार्निश कर सकते हैं।

बच्चे को कुछ भी सिखाते वक्त इन 5 बातों को याद रखें, आसानी से सिखेगा सारी बातें

PARENTING

छोटे बच्चों का दिमागी विकास काफी तेजी से होता है। इस दौरान उन्हें जो कुछ भी सिखाया जाए तो हमेशा याद रहता है। अगर पैरेंट्स होकर आप उसे कुछ सिखा रहे हैं तो इन 4 बातों का जरूर ध्यान रखें।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बच्चे के दिमाग का 90 प्रतिशत विकास 5 साल की उम्र तक हो जाता है। इन सालों में बच्चे तेजी से बातें सीखते और समझते हैं। लेकिन कई बार पैरेंट्स बच्चों को कुछ भी सिखाने के लिए इतना ज्यादा आतुर रहते हैं बच्चे के ना सीखने पर उन्हें मारने, डांटने या फिर दूसरों से उनकी तुलना करने लगते हैं। जिसकी वजह से बच्चे के अंदर आत्मविश्वास की कमी पैदा होने लगती है और आसानी से सीख जाने वाली बातें भी वो बमुश्किल ही सीख पाता है। किसी भी नई चीज को बच्चे को सिखाते वक्त पैरेंट्स को हमेशा इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है। ऐसा करने से बच्चे सारी बातें फटाफट और आसानी से सीख सकते हैं।

बच्चे पर विश्वास करें और रिस्पेक्ट करें : बच्चे को जब भी कुछ सिखाने की कोशिश करें। फिर वो चाहे पढ़ना हो लिखना हो, पॉटी ट्रेनिंग हो या फिर कोई नई स्किल। अपने धैर्य को ना खोएं और बच्चे के ऊपर विश्वास करें। उसे मोटिवेट करें कि वो सीख सकता है। इसे बच्चे का आत्मविश्वास बढ़ता है और वो ज्यादा से ज्यादा कोशिश करता है चीजों को सीखने के लिए।

बच्चे की सुनें : सिखाने के प्रोसेस में बच्चे की बातों को भी ध्यान देकर सुनें। बच्चे को उसमे इंटरेस्ट नहीं है या फिर उसे सीखने में मुश्किल आ रही। पैरेंट्स का ये जानना भी जरूरी है।

पॉजिटिव रहें : बच्चे को नई चीज सिखाते वक्त पूरी तरह से पॉजिटिव रहें। बच्चा एक बार में ही सारे बाते नहीं सीख सकता। बच्चे के लिए चीयरलीडर बनें और हर छोटी अचीवमेंट पर उसे प्रोत्साहित करें। इससे बच्चे सीखने में तेजी दिखाते हैं।

बच्चा जब मना करें तो जबरदस्ती ना सिखाएं : छोटे बच्चे बहुत कम देर के लिए किसी एक चीज को करते हैं। ऐसे में उन्हें जबरदस्ती कुछ सिखाना उस चीज में बच्चों का इंटरेस्ट खत्म कर सकता है। इसलिए जब बच्चा स्टाप कहे तो रुक जाएं और कुछ समय बाद फिर से कोशिश करें सिखाने की।

छोटे बच्चे का टेस्ट ना लें : बच्चे ने क्या सीखा, कितना सीखा, इस बारे में टेस्ट ना करें। टेस्ट करने से बच्चे स्ट्रेस महसूस करते हैं। बच्चों को केवल सीखने दें।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

हेल्थ. विंटर्स में बिगड़ने लगे हैं त्वचा और बालों के हालात तो एलोवेरा जूस है इसका रामबाण इलाज

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

ठंड का मौसम आते ही कई तरह की सेहत संबंधी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। सबसे पहले तो लोग झड़ते बालों का शिकार होते हैं। साथ ही त्वचा संबंधी भी दिक्कतें शुरू हो जाती हैं। स्किन में रूखापन और बेजान होने की समस्या से लोग परेशान रहते हैं। इन सभी दिक्कतों से बचने के लिए आप एलोवेरा जूस का सेवन कर सकते हैं।

आपको बता दें, शरीर की बहुत सी बिमारियों को जड़ से खत्म करने के लिए एलोवेरा जूस रामबाण दवा है। ये चेहरे की रौनक बढ़ाने के साथ ही बालों को घना और चमकदार बनाता है। इतना ही नहीं एलोवेरा जूस पीने से आपको अन्य बहुत से फायदे भी मिलेंगे। आज हम इस आर्टिक्ल में आपको बताएंगे एलोवेरा जूस का महत्व और क्यों इसे एक औषधि के रूप में जाना जाता है। सर्दियों में आप आराम से एलोवेरा जूस का सेवन करके झड़ते और बेजान बालों से छुटकारा पा सकते हैं।।।।

आयुर्वेद में बताया गया है कि एलोवेरा को संजीवनी बूटी भी कहा जाता है। एलोवेरा जूस स्वास्थ्य के लिए बहुत ही लाभकारी होता है। क्योंकि इसमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम और कई अन्य पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इसलिए इसके सेवन से आप तमाम बीमारियों से भी बच सकते हैं। आइये जानें इसके फायदे।।।

सर्दियों के मौसम में अधिकतर लोगों को बाल झड़ने और स्किन संबंधी कई समस्याएं होने लगती हैं. ऐसे मौसम में आप एलोवेरा जूस का सेवन रोजाना कर सकते हैं. इससे न केवल आपके बालों और स्किन की समस्या दूर होगी बल्कि शरीर को अन्य कई फायदे मिलेगें.

स्किन के लिए एलोवेरा जूस के फायदे-

सर्दी के मौसम में स्किन में ड्राइनेस और एक्ने की अधिक समस्या होने लगती है। अगर आप चेहरे पर अधिक ऑयली क्रीम या लोशन लगाते हैं तो ऐसा होता है। इसलिए सर्दियों में एक्ने, रूखेपन से छुटकारा पाने के लिए आप ऑयली क्रीम की बजाय एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि यह एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर होता है। इससे आपके एक्ने सहित स्किन में भी सुधार होता है।

इसके साथ ही एलोवेरा में स्टेरोल्स फेस-प्लंपिंग कोलेजन और हाइलूरोनिक एसिड भी पाए जाते हैं। जिससे स्किन की नमी बरकरार रहती है। इसके रोजाना इस्तेमाल से झर्रियां भी दूर हो जाती हैं और बढ़ती उम्र के संकेत कम होते हैं। इसलिए एलोवेरा जूस का सेवन सर्दियों में जरूर करना चाहिए।

झड़ते बालों के लिए एलोवेरा जूस-

सर्दियों में बालों की कंडीशन सुधारने के लिए एलोवेरा जूस बहुत फायदेमंद साबित होता है। इसमें लैक्सेटिव होता है, जो पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने के साथ ही कब्ज, एसिडिटी आदि की समस्या से राहत दिलाता है। अगर आपके बाल सर्दियों में रूखे और बेजान हो जाते हैं तो एलोवेरा जूस का सेवन करें।

इसके साथ ही अगर आप अपने बालों की लंबाई बढ़ाना चाहते हैं तो ऐलोवेरा जूस सबसे कारगर है। इसके लिए आप ऐलोवेरा को तोड़कर उसे छील लें और फिर गूदा निकालकर मिक्सी में पीस लें। फिर इस ऐलोवेरा के पेस्ट को बालों में लगाएं। इसके बाद बालों को पानी से अच्छी तरह वॉश कर लें। इस तरह से आपके बालों की टूटने की समस्या और डैंड्रफ दूर होंगे।

नोट : इस खबर में बताए गए सुझाव सामान्य जानकारी पर आधारित हैं। इसलिए किसी भी उपचार/दवा/डाइट को अमल करने से पहले डाक्टर या संबंधित एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें।

आदिवासी परंपरा का गौरवगान -जनजातीय गौरव दिवस

विविध संस्कृतियों और परंपराओं की भूमि भारत ने हमेशा देश की आजादी के लिए लड़ने वाले अपने बहादुर योद्धाओं के योगदान और बलिदान का जश्न मनाया है। हालाँकि, इस उत्सव के बीच, आदिवासी समुदाय की वीरता और संघर्ष पर अक्सर ध्यान नहीं दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदिवासी समाज और संस्कृति के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम ही है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयन्ती के दिवस को "जनजातीय गौरव दिवस" के नाम से मनाने की घोषणा कर आदिवासी समाज का पूरे देश में मान बढ़ाया है।

आज यह तीसरा वर्ष है जब पूरा देश आदर, सम्मान और उत्साह के साथ भगवान बिरसा मुंडा जी की जयंती "जनजातीय गौरव दिवस"के रूप में मना रहा है। इस दिवस से लोगों ने जनजातीय समुदायों के सह-अस्तित्वको स्वीकारा है और दशकों के इंतजार के बाद सामाजिक समानता के सपने को हकीकत में बदल दिया है।

भगवान बिरसा मुंडा ने हमेशा वन भूमि के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की और उसी संकल्प को पूरा करते हुए अपने साथियों के साथ अंग्रेजों से लड़ते हुए शहादत दी । ऐसे ही देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे आदिवासी लोगों ने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी क्योंकि जनजातीय लोगों ने कभी भी अंग्रेजों की गुलामी को स्वीकार नहीं किया, शायद अभी तक बहुत कम ही लोग ये जानते थे कि अग्रेजों को सबसे प्रारम्भिक और सशक्त चुनौती देश के जंगलों से आदिवासी समाज से ही मिलना प्रारम्भ हुई थी।

चाहे तिलका माँझी के नेतृत्व में पहाड़िया आंदोलन हो,बुधू भगत के नेतृत्व में चला 'लरका आंदोलन' हो, सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल हूल आंदोलन हो, रानी गाइदिन्ल्यू के नेतृत्व में नागा आंदोलन हो, अल्लूरी सीता राम राजू का रम्पा आंदोलन हो, कोया जनजाति का विद्रोह हो, गोविंद गुरु का 'भगत' आंदोलनहो, अंग्रेजों के विरुद्ध जनजाति समाज का एक व्यापक, विस्तृत व विशाल योगदान रहा है। 'धरती आबा' बिरसा मुंडा की अपने माटी के प्रति संघर्ष की ही पृष्ठभूमि थी कि अंग्रेजों को छोटा नागपुर काश्तकारी-सीएनटी अधिनियम बनाने के लिए बाध्य होना पड़ा। जिसके अधीन परंपरागत वन अधिकार भुईंहरी खूँट के नाम से निहित

जालंधर ब्रीज

अर्जुन मुंडा
(केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री)

है । भुईंहरी खूँट, जो जल, जंगल, जमीन पर पूर्ण स्वामित्व का अधिकार देता है । भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष के बल पर देश भर के जनजातीय क्षेत्रों में हुए ऐतिहासिक भूल को स्वीकारते हुए हमारी संसद ने वन अधिकार कानून पारित किया। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किया कि उनके अपने समाज की स्वशासन व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का बाह्य हस्तक्षेप न हो । इस कारण पेसा जैसे कानून इस देश में बने, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उनकी परंपरागत व्यवस्था पर कोई हस्तक्षेप न हो, परंपरागत ढंग से नियंत्रणाधीन व्यवस्थाओं के अनुरूप ही पेसा का कानून चले और साथ ही साथ संवैधानिक प्रावधानों का समावेशीकरण हो सके। । इसकी मुख्य अवधारणा अनुसूचित क्षेत्र में पंचायत की व्यवस्था हो ताकि उसकी सांस्कृतिक परंपरा और नैसर्गिक व्यवस्था बनी रहे और प्राकृतिक समन्वयता पर किसी तरह का प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। भगवान बिरसा मुंडा के अनुरूप जनजातीय समाज पुनर्स्थापित हो, इस चुनौती भरे कार्य को दायित्व के रूप में हमें लेना पड़ेगा साथ ही अपनी जनजातीय जीवंत संस्कृति पर गर्व करते हुए बनाए रखना पड़ेगा । भारत सरकार का वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) सामाजिक व्यवस्था के साथ जोड़कर पुनर्स्थापित करने पर जोर देता है। वनाधिकार कानून एकाधिकार को ही सुनिश्चित नहीं करता है, बल्कि मानव समुदाय को प्राकृतिक दृष्टि से समानुपातिक सहभागिता के रूप में देखता है। कई चुनौतियों के बीच हमें इन सारे विषयों पर संवेदनशील होकर देखने की जरूरत है। प्रकृति का अन्योन्याश्रय संबंध न बिगड़े इस पर समस्त भारत वासियों को पुनरावलोकन करना पड़ेगा। यह भगवान बिरसा मुंडा का विशेष सूत्र रहा है।

जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव भारत में आदिवासी समुदायों के योगदान और संघर्षों को पहचानने और सम्मान देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह इन हाशिए पर मौजूद समूहों के कल्याण और सशक्तिकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों और कानून के माध्यम से, सरकार का लक्ष्य आदिवासी समुदायों का उत्थान करना और ऐतिहासिक अन्याय को दूर करना है। भारत के संविधान ने, अनुसूचित जनजातियों की सुरक्षा के प्रावधानों के साथ, उनके अधिकारों की रक्षा करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन अधिकार अधिनियम, पेसा और अन्य कानूनों ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को और मजबूत किया है और उन्हें अपने जीवन के तरीके की रक्षा करने के लिए सशक्त बनाया है। ट्राइफेड और एनएसटीएफडीसी जैसे संस्थानों ने आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने और उनकी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सहायता और अवसर प्रदान किए हैं। जनजातीय लोगों ने अपनी सभ्यता और संस्कृति की धरोहरों को युगों से संजोया हुआ है, जनजातीय गौरव दिवस एक अवसर है आदिवासियों की जीवन परंपरा, रीति-रिवाज व सामाजिक-सांस्कृतिक व्यवस्था को समझने का जो कि अत्यधिक समृद्ध है। आज देश यह बात जान गया है कि राष्ट्र निर्माण में आदिवासी समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है और आगे भी उनकी इस भव्य विरासत से प्रेरणा लेकर हमें इस अमृत काल में नव भारत निर्माण का संकल्प पूरा करना होगा।

राज्यपाल पुरोहित ने विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत आईईसी वैन्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

सरकार की सबसे बड़ी आउटरीच पहल ने पंजाब में उड़ान भरी : विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रव्यापी आउटरीच पहल, विकसित भारत संकल्प यात्रा ने पंजाब में अपनी शुरुआत के साथ एक नए अध्याय की शुरुआत की है। पंजाब राजभवन से शुरू हुई यात्रा को माननीय राज्यपाल बनवारीलाल पुरोहित ने औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। 15 नवंबर, 2023 को खूंटी, झारखंड से शुरू हुई यह पहल, जो आदिवासी क्षेत्रों को समर्पित है, अब पूरे देश में अपना विस्तार कर चुकी है।

यह यात्रा भारत सरकार की अब तक की सबसे बड़ी आउटरीच पहल है। समावेशी विकास की दृष्टि में निहित, इसका लगातार लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी योजनाओं का लाभ देश के हर कोने को मिले, जिससे 100% कवरेज प्राप्त हो सके। यह यात्रा व्यापक पहुंच, सूचना प्रसार और देश के विकास में सक्रिय रूप से योगदान करने के लिए नागरिकों को सशक्त बनाने के माध्यम से इस उद्देश्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) वैन्स द्वारा प्रदान की गई सुविधा के माध्यम से जमीनी स्तर की गतिविधियों पर वास्तविक समय का डेटा इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन द्वारा विकसित एक पोर्टल पर व्यवस्थित रूप से कैप्चर किया जाता है। कुल 116 वैन्स पंजाब को कवर करने के लिए तैयार हैं, जिनमें से 3 पहले से ही एसएएस नगर ज़िले के पास हैं और अतिरिक्त 6 को रूपनगर ज़िले में तैनात किया गया है। शेष वैन्स आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से लॉन्च की जाएंगी, जिनसे लगभग 13,000 ग्राम पंचायतों और लगभग 400 शहरी स्थानों को कवर किया जाएगा। प्रत्येक दिन, यह वैन्स प्रमुख स्थानों पर दो बार रुकेंगी, जहां स्वास्थ्य शिविर, आधार नामांकन और अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध होंगी।

जैसे-जैसे विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे पंजाब में फैल रही है, यह एक परिवर्तनकारी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है, जो सरकारी पहलों के दूरगामी प्रभाव को सुनिश्चित करेगी और राष्ट्र की नियति को आकार देने में नागरिकों के बीच सक्रिय भागीदारी की भावना को बढ़ावा देगी। यह महत्वपूर्ण यात्रा सभी के लिए एक समान और समृद्ध भारत के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का उदाहरण है। विकास के प्रति एक बहुआयामी दृष्टिकोण के रूप में डिज़ाइन की गई, विकसित भारत संकल्प यात्रा का उद्देश्य समावेशी विकास की दिशा में एक ठोस प्रयास को प्रदर्शित करते हुए, समाज के सभी वर्गों तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। जमीनी गतिविधियों में विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम, जैसे लाभार्थियों के साथ बातचीत, ग्राम पंचायत की उपलब्धियों का जश्न, ऑन-द-स्पॉट प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं और स्वास्थ्य शिविर शामिल होंगे।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का व्यापक लक्ष्य जागरूकता बढ़ाना और स्वच्छता, वित्तीय सेवाओं, बिजली, आवास आदि तक फैली कल्याणकारी योजना के लाभों के वितरण की सुविधा प्रदान करना है। प्रमुख योजनाओं में आयुष्मान भारत, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना और पीएम आवास योजना समेत अन्य योजनाएँ शामिल हैं।

हिमाचल प्रदेश क्षेत्र के जनजातीय जिलों में विकसित भारत संकल्प यात्रा ने गति पकड़ी

पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में लॉन्च के लिए तैयारियां तेज

• **जालंधर ब्रीज** . चंडीगढ़

पूरे देश में केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व पहल में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 नवंबर को झारखंड के खूंटी से विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की। यात्रा के पहले चरण में यह यात्रा हिमाचल प्रदेश के तीन आदिवासी जिलों, अर्थात् चंबा, स्पीति और किन्नौर को कवर करती है, जो इसकी पहुंच के एक महत्वपूर्ण विस्तार का प्रतीक है। पंजाब और हरियाणा के लिए यात्रा 22 नवंबर को शुरू होने वाली है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का लक्ष्य देश की लगभग हर ग्राम पंचायत को कवर करना है। पंजाब में 13,646 स्थानों को कवर किया जाएगा, जबकि हरियाणा में यह अभियान 6,537 स्थानों तक पहुंचेगा और हिमाचल प्रदेश में 3,799 स्थानों को लक्षित किया गया है।

तत्काल सेवाओं की सुविधा के लिए, डाक विभाग, स्वास्थ्य विभाग और अन्य विभागों द्वारा विभिन्न शिविर लगाए जाएंगे। सरकार की प्रमुख योजनाओं के बारे में नागरिकों को सूचित करने और उन्हें सशक्त बनाने के लिए बनाई गई इस यात्रा का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना और कल्याणकारी कार्यक्रमों का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाना है।

जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी योजनाओं के संदेश देने वाली विशेष रूप से डिजाइन की गई आईईसी वैन को हरी झंडी दिखाई। स्थानीय भाषाओं में जानकारी से सजी ये वैन ऑडियो-विज़ुअल, ब्रोशर, पैम्फलेट, बुकलेट और स्टैंडीज़ के माध्यम से ज्ञान का प्रसार करेंगी। फोकस क्षेत्रों में स्वच्छता, वित्तीय सेवाएं, बिजली, एलपीजी कनेक्शन, आवास, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, स्वच्छ पानी और बहुत कुछ शामिल हैं।

लाभार्थियों के साथ बातचीत, उपलब्धियों का जश्न, ऑन-द-स्पॉट क्विज़ प्रतियोगिताएं, ड्रोन प्रदर्शन, स्वास्थ्य शिविर और मेरा युवा भारत स्वयंसेवक नामांकन सहित जन भागीदारी कार्यक्रम, जमीनी गतिविधियों का एक अभिन्न अंग बनेंगे। विकसित भारत अभियान, सबसे बड़ी आउटरीच पहलों में से एक, का लक्ष्य 25 जनवरी, 2024 तक 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों और 3,600 शहरी स्थानीय निकायों को कवर करना है। इस व्यापक अभियान का उद्देश्य राज्य सरकारों, जिला अधिकारियों, शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतो की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

कनाडा को बड़ी राहत, दो महीने बाद भारत ने कनाडाई नागरिकों के लिए फिर शुरु की ई-वीजा सेवा

जालंधर ब्रीज (नई दिल्ली) . भारत ने लगभग दो महीने के बाद कनाडाई नागरिकों के लिए फिर से इलेक्ट्रॉनिक वीजा की सेवाएं शुरू कर दी हैं। इससे कनाडाई नागरिकों को बड़ी राहत मिली है। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत की संलिप्तता के कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को बाद दोनों देशों के रिश्तों में तल्खी आ गई थी। इससे उपजे राजनयिक विवाद के बीच भारत ने 21 सितंबर को कनाडाई नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं निलंबित कर दी थीं। भारत ने ऐसे वक्त में ई-वीजा फिर से शुरुआत करने की घोषणा की है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो जी-20 की वर्चुअल मीटिंग में आमने-सामने होने वाले हैं। इस मीटिंग से पहले भारत की तरफ से की गई कार्रवाई को दोनों देशों के बीच आपसी रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

बता दें कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि जून में कनाडा के नागरिक खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में "भारत सरकार के एजेंट" शामिल थे। भारत सरकार ने इसका जोरदार खंडन किया था और आरोपों को बेतुका, मनगढ़ंत और बिना किसी सबूत वाला बताया था। नई दिल्ली ने इस बारे में ओटावा से अपने दावों के समर्थन में सबूत साझा करने की भी मांग की है लेकिन अभी तक ओटावा कोई सबूत देने में नाकाम रहा है। ई-वीजा फिर से शुरू करने का मतलब इसमें मेडिकल वीजा, बिजनेस वीजा और टूरिस्ट वीजा समेत चार तरह के वीजा शामिल हैं। सितंबर में भाकत ने अगले आदेश तक इन वीजों पर प्रतिबंध लगा दिया था। जब दोनों देशों के रिश्ते तल्ख हुए थे, तब दोनों देशों ने अपने-अपने नागरिकों को एडवायजरी जारी की थी। कनाडा ने अपने नागरिकों को भारत की यात्रा करने पर विचार करने का आग्रह किया था और कहा था कि "राजनीतिक रूप से समर्थित" घृणा अपराधों के मद्देनजर भारत की यात्रा करने में "अत्यधिक सावधानी" बरतनी चाहिए।

विदेशी फिल्म निर्माण के लिए प्रोत्साहन 40 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा

जो कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए भारत की प्रतिबद्धता और समर्थन को दर्शाता है : श्री अनुराग सिंह ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज** . नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने कहा है कि भारत, देश में विदेशी फिल्म बनाने के लिए प्रोत्साहन देगा। इसके लिए फिल्म निर्माण में जो खर्च आएगा, उसमें प्रोत्साहन राशि 40 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि इसकी अधिकतम सीमा 30 करोड़ रुपये (3.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक) होगी, जिसमें उल्लेखनीय भारतीय विषयवस्तु के लिए पांच प्रतिशत का अतिरिक्त बोनस शामिल होगा। उन्होंने आज पणजी, गोवा में भारत के 54वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में अपने उद्घाटन भाषण में यह बात कही।

ठाकुर ने कहा कि भारत के आकार और विशाल क्षमता को देखते हुए देश में मध्यम व बड़े बजट की अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं को आकर्षित करने के लिए उच्च प्रोत्साहन की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "फिल्म निर्माण को प्रोत्साहित करने में यह आदर्श बदलाव कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए भारत की प्रतिबद्धता और समर्थन के प्रमाण के रूप में कार्य करता है तथा सिनेमाई प्रयासों के लिए पसंदीदा गंतव्य-स्थल के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करता है।"

इसके अलावा प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री माधुरी दीक्षित को एक शानदार ट्रिब्यूट देते हुए 54वें आईएफएफआई महोत्सव ने उन्हें 'भारतीय सिनेमा में योगदान के लिए विशेष मान्यता' पुरस्कार से सम्मानित किया। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने एक्स पर पोस्ट किया, "हर आयु वर्ग की आइकन माधुरी दीक्षित ने चार अद्भुत दशकों से अपने अप्रतिम टैलेंट के जरिए हमारी सिनेमा स्क्रीन की शोभा बढ़ाई है।"

मंत्री महोदय ने उन युवा मेधाओं के लिए एक भर्ती अभियान की भी घोषणा की, जिन्हें '75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमॉरो' के लिए चुना गया था। इसके जरिये युवा मेधाओं की उदीयमान प्रतिभा और करियर के लिए असीमित अवसरों के द्वार खुल गए हैं। '75 क्रिएटिव माइंड्स ऑफ टुमारो', जो अब अपने तीसरे संस्करण में है, उसकी शुरुआत 2021 में प्रधानमंत्री की परिकल्पना से हुई थी, ताकि युवाओं को सिनेमा के माध्यम से अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान किया जा सके। मंत्री महोदय ने कहा, "इस साल, 10 श्रेणियों में लगभग 600 प्रविष्टियों में से, 19 राज्यों से 75 युवा फिल्म निर्माताओं को चुना गया है, जिनमें बिष्णुपुर, जगतसिंहपुर और सदरपुर जैसे दूरदराज के इलाके भी शामिल हैं।"

मंत्री महोदय ने आईएफएफआई के इस संस्करण में पुरस्कारों की एक नई श्रेणी- सर्वश्रेष्ठ वेब सीरीज (ओटीटी) श्रेणी- शुरू करने की भी घोषणा की। महोत्सव में नए घटकों पर प्रकाश डालते हुए, अनुराग ठाकुर ने कहा कि आईएफएफआई भारत में मूल कॉन्टेंट रचनाकारों की परिवर्तनकारी भूमिका को मान देगा और उनका सम्मान करेगा तथा रोजगार एवं नवाचार में उनके योगदान को प्रकट करेगा। मंत्री महोदय ने जोर दिया, "पहली बार, आईएफएफआई ने सिनेमा जगत के नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक अच्छी तरह से क्यूरेटेड 'वीएफएक्स और टेक पवेलियन' तथा गैर-कथात्मक किस्सागोई को समर्थन देने के हवाले से उसके सह-उत्पादन के लिए एक वृत्तचित्र अनुभाग की शुरुआत करके फिल्म बाजार के दायरे को बढ़ाया है।" महिला सशक्तिकरण के प्रति भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए, ठाकुर ने कहा कि इस वर्ष के आईएफएफआई में 40 उल्लेखनीय महिला फिल्म निर्माताओं की फिल्में शामिल होंगी। उन्होंने कहा, "उनकी प्रतिभा, रचनात्मकता एवं उनके अद्वितीय परिप्रेक्ष्य इस उत्सव को विविध कथनों और कथाओं को सामने लाने का समारोह बनेंगे।"

भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के माध्यम से एक समावेशी और सुगम्य भारत के निर्माण पर लगातार जोर दिया है। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण में एक और आयाम जोड़ते हुए, मंत्री महोदय ने इस बात पर जोर दिया कि आईएफएफआई समावेशिता को एक मार्गदर्शक सिद्धांत बनाकर 'सबका मनोरंजन' यानी 'सभी के लिए मनोरंजन' को कायम रख रहा है। उन्होंने कहा, "इस वर्ष के उत्सव के सभी स्थल दिव्यांगों के लिए सुविधाओं से सुसज्जित होंगे। दृष्टि और श्रवण बाधित प्रतिनिधियों के लिए एम्बेडेड ऑडियो विवरण और सांकेतिक भाषा प्रावधानों के साथ चार अतिरिक्त विशेष स्क्रीनिंग होंगी।"

मंत्री महोदय ने भारत में मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए हाल के दिनों में भारत सरकार द्वारा उठाए गए कई पहलों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, "हाल ही में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में, सिनेमैटोग्राफ (संशोधन) विधेयक, 2023 को लोकसभा और राज्यसभा दोनों से मंजूरी मिली। यह कानून न केवल कानूनी ढांचे को व्यापक बनाता है, अपना ध्यान सेंसरशिप से परे स्थानांतरित करके कॉपीराइट सुरक्षा को शामिल करता है, बल्कि चोरी के खिलाफ कठोर उपाय भी पेश करता है।"

यूएस के एक दांव से बिखर गई शी जिनपिंग की होशियारी, मुस्लिम देशों में पसरने के मंसूबों पर पानी

जालंधर ब्रीज (वर्ल्ड न्यूज) . सऊदी अरब में बच्चे इन दिनों बड़ी तन्मयता से चीनी भाषा मंदारिन पढ़ रहे हैं। सऊदी सरकार के शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों इस बाबत बाकायदा एक सर्कुलर भी जारी किया था कि माध्यमिक स्तर के सरकारी और निजी स्कूलों में बच्चों को प्रति सप्ताह कम से कम दो पाठ मंदारिन पढ़ाया जाए। यह पहल सऊदी अरब और चीन के बीच प्रगाढ़ होते रिश्तों की कहानी बयां करता है। सऊदी में बच्चों को मंदारिन पढ़ाने को अनिवार्य करने का फैसला सऊदी अरब के शक्तिशाली नेता, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान द्वारा लिया गया है, जो चीन के साथ "व्यापक रणनीतिक साझेदारी" बनाने की मुहिम में जुटे हैं। इसी साल अगस्त में सऊदी अरब को अनौपचारिक तौर पर ब्रिक्स समझौते में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें चीन, ब्राजील, रूस, भारत और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

दरअसल, क्राउन प्रिंस का दृष्टिकोण सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था को बहुआयामी बनाने का रहा है। इसके लिए वह तेल के अलावा आय के अन्य साधनों से अर्थव्यवस्था में विविधता लाने के हिमायती रहे हैं। उनकी इस मुहिम में चीन ने बड़ी दिलचस्पी दिखाई है और वहां बड़े पैमाने पर निवेश का प्रस्ताव रखा है। चीनियों का दावा है कि सऊदी अरब में बुनियादी ढांचे में अवसरों और हरित ऊर्जा में परिवर्तन पर जोर देते हुए वे इस लक्ष्य को साकार करने में मदद करने की आदर्श स्थिति में हैं।

क्षेत्रीय तनाव ने बिगाड़ा खेल : सऊदी और चीन की दोस्ती पटरी पर सरपट आगे बढ़ रही थी लेकिन हालिया इजरायल-हमास युद्ध ने चीनी निवेशकों को चिंतित कर दिया है। साथ ही मिडिल-ईस्ट के इस तनाव में चीन की स्थिति पर एक संशय पैदा हुआ है। चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने कहा है कि उनका देश मिडिल-ईस्ट में लगातार बढ़ते संघर्ष और बड़ी संख्या में गाजा पट्टी और इजरायल में नागरिकों के हताहत होने से बेहद चिंतित है।

कानून-व्यवस्था बिगड़ने के कारण प्रताप बाजवा ने भगवंत मान से मांगा इस्तीफा

कहा- जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आई, अपराध दर अचानक बढ़ गई

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने सुल्तानपुर लोधी में दो निहंग गुटों के बीच गोलीबारी में एक पुलिस कांस्टेबल की मौत और पांच अन्य के घायल होने के बाद गुरुवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जिनके पास गृह विभाग भी है, से इस्तीफा देने की मांग की। बाजवा ने कहा- 'बहुत हो गया। यदि आप राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति को नहीं संभाल सकते हैं, तो आपको इस पद पर बने रहने का कोई अधिकार नहीं है। बाजवा ने पंजाब के मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि चले जाओ और किसी और को काम करने दो।' कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बाजवा ने कहा कि अगर पंजाब के मुख्यमंत्री खराब प्रदर्शन का बहाना बनाकर अपने मंत्रिमंडल के कुछ सहयोगियों के विभाग ले सकते हैं तो वह इस्तीफा क्यों नहीं दे सकते क्योंकि वह पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति को दुरुस्त करने में बुरी तरह विफल रहे हैं।

बाजवा ने कहा कि अब पुलिस ने निहंग सिखों के दो गुटों के बीच विवाद को सुलझाने के लिए सीआरपीसी की धारा 145 का इस्तेमाल किया। पुलिस के हस्तक्षेप से दोनों गुटों ने समझौता कर लिया है। अगर सरकार ने पहले ऐसा किया होता तो पुलिस कांस्टेबल की जान बचाई जा सकती थी। यह पूरी तरह से सरकार की विफलता है। उन्होंने कहा कि मान राज्य से संबंधित मुद्दों पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित करने के बजाय चुनावी राज्यों के मतदाताओं को लुभाने में व्यस्त थे। उन्होंने चुनावी राज्यों में पंजाब में कानून और व्यवस्था की स्थिति के बारे में झूठे दावे किए। उन्होंने कहा, 'वास्तव में भगवंत मान पंजाब के अब तक के सबसे अक्षम मुख्यमंत्री रहे हैं। विपक्ष के नेता ने कहा कि जब से पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता में आई है, अपराध दर अचानक बढ़ गई है। अब, उनके पास कोई सुराग नहीं है कि इससे कैसे निपटा जाए। उन्होंने कहा, 'अगर पंजाब पुलिस आप शासन के दौरान अपनी रक्षा नहीं कर सकती है, तो वह आम लोगों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित कर सकती है? बाजवा ने पूछा। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी के 20 महीने के शासन के दौरान ड्रग्स की तस्करी में वृद्धि हुई है। मान सरकार ने कोई पछतावा नहीं दिखाया है, भले ही ड्रग ओवरडोज के कारण पंजाबी युवाओं की मौतें बढ़ गई हैं।

रजिस्टर्ड 1146 निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए 2 करोड़ 83 लाख रुपये की राशि मंजूर

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने पंजाब भवन एवं अन्य निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड अधीन जिले में रजिस्टर्ड 1146 निर्माण श्रमिकों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत 2,83,92000 रुपये की राशि मंजूर की है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे कहा कि पंजाब सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन जिले के श्रमिकों के कल्याण के लिए वचनबद्ध है। उन्होंने बताया कि श्रमिक बोर्ड अधीन मिस्त्री, ईंटों/सीमेंट पकडाने वाले मजदूर, प्लंबर, बढ़ई, वेल्डर, इलैक्ट्रेशन अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है।

इसके अलावा किसी भी सरकारी, अर्ध-सरकारी या निजी संस्थान के उत्पादन, भवन, सड़क, नहर, बिजली बांट, टेलीफोन, तार, रेडियो, रेलवे, हवाई अड्डे आदि में निर्माण, मुरम्मत, रख-रखाव या तोडने-हटाने के काम के लिए कौशल/काम करने वाले व्यक्ति अर्ध-कौशल कारीगर या सुपरवाईजर के तौर पर सैलेरी या मेहनतनामा लेकर काम करने वाले व्यक्ति भी अपनी रजिस्ट्रेशन करवाने के योग्य है। डिप्टी कमिश्नर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले के सभी योग्य श्रमिकों को पंजाब भवन एवं अन्य कंस्ट्रक्शन वर्करज कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रही विभिन्न भलाई योजनाओं के बारे में अधिक से अधिक जागरूक किया जाए।

उन्होंने मजदूरों से अपील की कि पंजाब सरकार द्वारा भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने को कहा।

पंजाब भवन और अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड से रजिस्ट्रेशन प्राप्त करने के लिए, योग्य लाभपात्रियों की आयु 18 से 60 वर्ष में होनी चाहिए और उसने पिछले 12 महीनों के दौरान पंजाब में 90 दिन निर्माण मजदूर के तौर पर काम किया हो। उन्होंने कहा कि लाभपात्री अपने और परिवारिक सदस्यों के आधार कार्ड, बैंक खाते की कापी, जन्म तिथि का प्रमाण, पारिवारिक फोटो और अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ अपने नजदीकी सेवा केंद्र में जा सकते है।

जालंधर में 25 नवंबर को स्कूल-कालेजों में आधे दिन की छुट्टी

25 नवंबर को जांलधर में श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व संबंधी होने वाले 'नगर कीर्तन' के चलते शहर में स्थित सरकारी/निजी स्कूलों और कालेजों में आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है। आज यहां जारी एक आदेश के अनुसार, डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने कहा कि 25 नवंबर को 'नगर कीर्तन' के चलते, ट्रैफिक पुलिस ने शहर में रूट रूट डायवर्ट प्लान जारी किया है। उन्होंने कहा सरकारी/निजी स्कूलों और कालेजो में 25 नवंबर आधे दिन की छुट्टी करने के आदेश दिए गए है।

अनुसूचित जाति के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं : कैंथ

नैशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स एलायंस ने की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना सहित कल्याणकारी योजनाओं में आय सीमा को संशोधित करने की मांग

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

नैशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स एलायंस ने भारत के प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखाकर अपील की के अनुसूचित जाति के परिवारों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना सहित महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं मे आय सीमा 2.5 लाख रुपये से बढ़ाकर 8 लाख रुपये करने की आय सीमा को संशोधित करने की तत्काल आवश्यकता है। नैशनल शेड्यूल्ड कास्ट्स एलायंस के अध्यक्ष परमजीत सिंह कैंथ ने विभिन्न सरकारी योजनाओं, विशेषकर पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना में वित्तीय वर्ष 2013-14 के बाद अनुसूचित जाति परिवारों के लिए आय सीमा को संशोधित करने में देरी पर चिंता व्यक्त की है। प्रधानमंत्री को लिखित पत्र में महत्वपूर्ण आवश्यकता पर जोर दिया और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना का हवाला देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति के छात्रों के परिवारों के लिए वार्षिक आय सीमा की स्थिति एक गंभीर चिंता का विषय बन गए है।

कैंथ ने कहा कि हर पांच साल में भारत सरकार के वित्त विभाग की एक समिति अनुसूचित जाति की पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना सहित महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजनाओं की आय सीमा की समीक्षा ना करना निराशाजनक है। दलित नेता परमजीत सिंह कैंथ ने कहा कि पिछड़े वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए 8 लाख सरकारी योजनाओं में लाभ पाने के लिए आय सीमा तय की गई है और अनुसूचित जाति के छात्रों के जीवन और शैक्षिक अवसरों को प्रभावित करने वाले एक महत्वपूर्ण मुद्दे ने लगभग एक दशक से उच्च शिक्षा की संभावनाओं की उपेक्षा के कारण लाखों इच्छुक छात्रों को व्यापक रूप से निराश किया है।

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत होशियारपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम

लड़कियों को हर क्षेत्र में आगे लाने के लिए पंजाब सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगी-डॉ. बलजीत कौर

बेटियों को बेटों की तरह प्यार और उच्च शिक्षा के अवसर देना जरूरी : ब्रम शंकर जिम्पा

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना के तहत सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आज स्थानीय लाजवंती स्टेडियम में एक भव्य राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पंजाब के सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ. समारोह में बलजीत कौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं जबकि राजस्व एवं पुनर्वास, जल सप्लाई व सैनिटेशन मंत्री पंजाब ब्रम शंकर जिम्पा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस मौके पर विधायक जसवीर सिंह राजा गिल, करमबीर सिंह घुम्मण, डॉ. रवजोत सिंह और सामाजिक सुरक्षा एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के निदेशक डॉ. शेना अग्रवाल ने विशेष तौर पर शिरकत की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार लड़कियों को हर क्षेत्र में आगे लाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर और समाज की नींव बनती हैं और अपनी सीमा से आगे बढ़कर काम करने की क्षमता रखती हैं। इस क्षमता को आगे लाना पंजाब सरकार की मुख्य प्राथमिकता है और इस संबंध में बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जाएगा। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री ब्रम शंकर जिम्पा ने कहा कि आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और हमारा कर्तव्य है कि हम उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि हमारे धार्मिक ग्रंथ भी हमें महिलाओं को महत्व देने की प्रेरणा देते हैं। दिलाकर आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करें। इस अवसर पर 51 नवजात कन्याओं, 21 गर्भवती महिलाओं, 30 स्वस्थ्य बच्चों तथा विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली 24 बालिकाओं को भी मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। इसके अलावा 38 मेधावी लड़कियों को स्कूल बैग और ग्राफिक्स प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 30 लड़कियों को प्रमाणपत्र दिए गए। विभाग की योजनाओं को सुचारू ढंग से लोगों तक पहुंचाने के लिए 10 आंगनबाडी कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। इसी प्रकार 30 बालिकाओं को नि:शुल्क लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस एवं हेलमेट भी प्रदान किये गये। इस दौरान मिशन वात्सलय योजना के तहत आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मेयर सुरिंदर कुमार, डिप्टी कमिश्नर कोमल मित्तल, जिला योजना कमेटी की चेयरपर्सन कर्मजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण सैनी, डिप्टी मेयर रणजीत चौधरी, नगर सुधार ट्रस्ट के चेयरमैन हरमीत सिंह औलख के अलावा अन्य शख्सियतें मौजूद थीं।

हर काम देश के नाम

डीबीएन ब्रिगेड द्वारा आयोजित साइकिल अभियान सफलतापूर्वक संपन्न

फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को दिया बढ़ावा

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

डेरा बाबा नानक (डी बी एन) ब्रिगेड द्वारा आयोजित 12 बिहार बटालियन की साइकिल अभियान टीम ने आज माधोपुर हेडवर्क्स से जालंधर छावनी तक अपनी 541 किलोमीटर की यात्रा पूरी कर ली। इस टीम में एक अधिकारी, एक जेसीओ और 10 अन्य रैंक शामिल हैं। टीम ने इस अभियान की शुरुआत 15 नवंबर को साइकिलिंग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और बच्चों और युवाओं में पर्यावरण चेतना बढ़ाने के दोहरे उद्देश्य से की थी। अपने अभियान के दौरान टीम ने भूतपूर्व सैनिको, युवाओं व स्थानीय लोगों के साथ बातचीत की, पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाया और स्थायी प्रथाओं को प्रोत्साहित किया। उनकी समर्पण और प्रतिबद्धता ने कई लोगों को विशेषकर युवा पीढ़ी को प्रेरित किया।

जालंधर छावनी में टीम के पहुंचने पर मेजर जनरल मुकेश शर्मा, जी ओ सी पैंथर डिवीजन ने उनके प्रयासों की सराहना की और फिटनेस और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए अपनी हार्दिक प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'यह अभियान सेना की एक स्वस्थ और अधिक पर्यावरणीय रूप से जागरूक समाज को बढ़ावा देने की अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है।'

कौंसिल ऑफ जूनियर इंजीनियर पीएसईबी द्वारा 'पंजाब मुख्यमंत्री राहत फंड' में 7.63 लाख रुपए का योगदान

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों को वित्तीय राहत देने के लिए कौंसिल ऑफ जूनियर इंजीनियर्ज़ पीएसईबी द्वारा बिजली मंत्री हरभजन सिंह ई. टी. ओ को पंजाब मुख्यमंत्री राहत फंड के लिए 5 लाख रुपए के चैक सौंपा गया। कौंसिल द्वारा नवंबर 2023 के महीने के दौरान इस राहत फंड में कुल 7 62,500 रुपए का योगदान डाला गया है।

कौंसिल की तरफ से किये गए इस यत्न की सराहना करते हुये बिजली मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत फंड में ऐसा योगदान राज्य के लोगों को ज़रूरत की क्षण के दौरान समय पर सहायता प्रदान करने में सहायक होता है। उन्होंने कहा कि पीएसईबी के जूनियर इंजीनियरों की तरफ से राज्य में बिजली के बुनियादी ढांचे की मज़बूती के लिए डाले योगदान से सभी अवगत हैं और कौंसिल द्वारा किया गया यह प्रयास दूसरों को भी प्रेरित करेगा।

सुरेंद्र लांबा ने एसएसपी होशियारपुर का पदभार संभाला

• **जालंधर ब्रीज.** होशियारपुर

2013 बैच के आई. पी. एस अधिकारी सुरेंद्र लांबा ने आज होशियारपुर जिले के एस. एस. पी का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वह एस. एस. पी संगरूर के पद पर कार्यरत थे। अपने कार्यालय में कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि सीमावर्ती जिला होने के कारण होशियारपुर एक संवेदनशील जिला है और यहां कानून व्यवस्था की स्थिति बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी।

उन्होंने कहा कि किसी भी आपराधिक तत्व को सिर उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी और आम लोगों की तकलीफों का त्वरित और प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने जिला वासियों को सलाह दी कि वे अपनी शिकायत संबंधित थाने या चौकी में दर्ज कराएं और यदि वहां उनकी सुनवाई नहीं होती है तो ही एस.एस. पी कार्यालय से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि इस संबंध में सभी चौकियों और पुलिस स्टेशनों को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जिले में सांप्रदायिक एकता एवं सौहार्द बनाये रखने के लिए जिला पुलिस द्वारा कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी।

उन्होंने कहा कि जिले में नशा उन्मूलन के लिए बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसके तहत पहला काम युवाओं को नशे के जाल से बाहर निकालना होगा और दूसरा काम उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना होगा जो पैसे कमाने के लिए नशे को व्यवसाय बनाते हैं। इससे पहले होशियारपुर पहुंचने पर पुलिस की ओर से उन्हें भव्य सलामी दी गई। इस मौके पर जिला पुलिस के तमाम अधिकारी मौजूद थे।

डा. बलजीत कौर ने कल्याणकारी योजनाओं को समय पर लागू करने के दिए निर्देश

कहा, बैंक-टाई अप योजना के तहत फिक्स की 5.00 करोड़ रुपये की क्रेडिट लिमिट के अधीन अधिक से अधिक केस किए जाए कवर

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार जहां सभी वर्गों के हितों की रक्षा के लिए वचनबद्ध है, वहीं आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक वर्गों के कल्याण के लिए लगातार प्रयत्नशील है।

इसी दिशा में काम करते हुए सामाजिक न्याय, अधिकारिता एवं अल्पसंख्यक मंत्री डा. बलजीत कौर ने पंजाब सिविल सचिवालय, चंडीगढ़ में सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक विभाग, अनुसूचित जाति उप योजना, पंजाब अनुसूचित जाति भू विकास, वित्त कारपोरेशन और पंजाब पिछड़ा वर्ग भूमि विकास और वित्त कारपोरेशन (बैंकफिको) के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक करते हुये अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार द्वारा चलायी जा रही कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लाभपात्रियों तक समय पर पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए।

कैबिनेट मंत्री डा. बलजीत कौर ने बैठक के दौरान आशीर्वाद योजना और पोस्ट मैट्रिक स्कॉलरशिप योजना के तहत बनती अदायगी जल्द से जल्द करने के निर्देश दिए। इसके अलावा मंत्री ने कहा कि माइनॉरिटी स्कीम के तहत बनने वाले मालेरकोटला कॉलेज के बारे जमीन अधिग्रहण सर्टिफिकेट मिलने के बाद जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

डॉ. बलजीत कौर ने एस.सी कारपोरेशन की विभिन्न ऋण योजनाओं की स्थिति की समीक्षा की और अधिकारियों को योजना के तहत जरूरतमंद व्यक्तियों को सक्षम बनाने के लिए क़र्ज़ बाँटने की प्रक्रिया में तेजी लाने और बैंक-टाई अप योजना के तहत 5.00 करोड़ रुपये की क्रेडिट लिमिट के अधीन अधिक से अधिक केस कवर करने के आदेश दिए।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि सरकार आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यक वर्ग के गरीब व्यक्तियों के कल्याण के लिए काम कर रही है।

क्रिकेटर श्रीसंत के खिलाफ धोखाधड़ी का केस

एस श्रीसंत भारत की 2007 और 2011 की वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रह चुके हैं। स्पॉट फिक्सिंग के कारण बैन झेलने के बाद अब उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है।

तिरुअनंतपुरम. क्रिकेटर श्रीसंत एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। क्रिकेटर एस श्रीसंत और दो अन्य के खिलाफ केरल पुलिस ने आईपीसी की धारा 420 के तहत मामला दर्ज किया है। चूंडा के रहने वाले शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी राजीव कुमार और वेंकटेश किनी ने उनसे 25 अप्रैल 2019 से कई तारीखों पर 18.70 लाख रुपये लिए, ये दावा करके कि वे कर्नाटक के कोल्लूर में एक खेल अकादमी बनाएंगे जिसमें श्रीसंत उनके एक साथी हैं। इस मामले में श्रीसंत को तीसरा आरोपी बनाया गया है।

साल 2013 में आईपीएल के दौरान राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत और उनके दो अन्य साथियों अजीत चंदीला और अंकित चवाण को हिरासत में लिया गया। इन सभी को आईपीएल के दौरान स्पॉटफिक्सिंग के आरोप में दोषी पाया गया था। बोर्ड की जांच में सभी आरोप सही पाए गए और श्रीसंत पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया गया। हालांकि, 2015 में दिल्ली की अदालत ने श्रीसंत को सबूत के अभाव में मकोका एक्ट के तहत स्पॉट फिक्सिंग के आरोपों से मुक्त कर दिया। एस श्रीसंत भारत की 2007 और 2011 की वर्ल्ड कप विनिंग टीम का हिस्सा रह चुके हैं। स्पॉट फिक्सिंग के कारण बैन झेलने के बाद अब उन पर धोखाधड़ी का आरोप लगा है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उन्हें एकेडमी में पार्टनर बनने का ऑफर मिला था, इसी कारण उन्होंने पैसे इन्वेस्ट किए। हालांकि ऐसे मामले पहले भी सामने आए हैं, जब क्रिकेटर्स के नाम का हवाला देकर आम लोगों से पैसे ऐंठे गए हैं।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.